

D. El. Ed. IV sem

Subject :- भारमिच्छक स्तर -- -- भागताओ
का विकास

Topic :- भाग की संक्रिया

भाग 'बँटवारा' है, जो बार-बार घटाने की प्रक्रिया है।

जैसे - टोकरी में 40 सेब हैं। प्रतिदिन 8 सेब निकाले जाते हैं, तो टोकरी कितने दिन में खाली हो जाएगी।

प्रथम दिन के अन्त में	$40 - 8 = 32$	सेब शेष
दूसरे	$32 - 8 = 24$	" "
तीसरे	$24 - 8 = 16$	" "
चौथे	$16 - 8 = 8$	" "
पाँचवें	$8 - 8 = 0$	शेष

इस क्रिया में 40 से 8 को 5 बार घटाया गया है।

विशेष - वह संख्या जिसमें भाग दिया जाता है, भाज्य कहलाती है, तथा जिस संख्या से भाग दिया जाता है, उसे भाजक कहते हैं। जितने बार भाग दिया जाता है। उसे भागफल कहते हैं।

P.T.O.

घटाने पर जो बचता है, वह शेषफल कहलाता है।

Exp.

$$\begin{array}{r} \text{भाग्य} \\ \downarrow \\ \text{भाजक} \rightarrow 8 \overline{) 545} \leftarrow \text{भागफल} \\ \underline{-40} \\ 04 \leftarrow \text{शेषफल} \end{array}$$

इस मूल संक्रिया के अध्ययन में अष्टाशक शरल से कमि तथा स्थूल से सूक्ष्म की ओर बढ़ता है, पहले वह सरल भाग लिखता है, फिर बालको का हासिल वाला भाग लिखा जाते हैं।

Exp

① $7596 \div 5 = ?$

② $12867 \div 6 = ?$

③ $86421 \div 5 = ?$

④ $1212 \div 3 = ?$

⑤ $10205 \div 5 = ?$